Department of
Paediatric Orthopaedics

# जानकारी

## DDH /कूल्हे की जन्मजात अव्यवस्था

**प्रश्न–**'कूल्हे का जन्मजात अव्यवस्था' (DDH) क्या है?

**उत्तर–** (CDH) हिप /कूल्हे के जन्मजात अव्यवस्था का अर्थ है ऐसी स्थिति जिसमें बच्चे के कूल्हे का जोड़ जन्म के समय से ही अस्त–व्यस्त हो। यह एक व्यापक शब्द है जो किसी भी स्थिति का वर्णन करता है जिसमें हिप /कूल्हा जोड़ सामान्य रूप से विकसित नहीं होता है और अस्थिर होता है।

**प्रश्न–**'डीडीएच (DDH) में वास्तव में क्या होता है?

**उत्तर–** हिप जॉइंट फीमर के सिर की तरह बॉल से बनता है जो पेल्विक बोन के सॉकेट की तरह कप से जुड़ता है। गेंद और सॉकेट सामान्य रूप से एक साथ बहुत बारीकी से फिट होते हैं और जोड़ स्थिर रहता है। डीडीएच में, हिप जोड़ अस्थिर है, अर्थात, सॉकेट में गेंद ढीली है। यह अस्थिरता समय के साथ गम्भीर हो सकती है।

**प्रश्न–**'DDH का क्या कारण है?

**उत्तर–** डीडीएच में, एसिटाबुलम का आकार असामान्य है। कप गहरे के बजाय उथला है और इसलिए बॉल/हडडी का सिर इसमें कसकर फिट नहीं होता है। कूल्हे जोड़ के आसपास के नरम ऊतक भी ढीले हो सकते हैं। इनमें से एक या अधिक कारक कूल्हे जोड़ को अव्यवस्थित करने के लिए एक साथ कारण हो सकते हैं।

DDH के लिए कई जोखिम कारक/ Risk Factor हैं यानी ऐसे कारक जो DDH होने वाले बच्चे की संभावना को बढ़ाते हैं। इसमे शामिल है।

1. ब्रीच स्थिति – जब बच्चे को पहले सिर के बजाय पहले पैर से पैदा डिलीवर होते हैं।
2. पारिवारिक इतिहास – जब बच्चे के माता–पिता में से कोई एक बचपन में डीडीएच से पीड़ित था, तो उनके बच्चे के डीडीएच होने की संभावना 12 गुना अधिक है।
3. नवजात शिशुओं की तंग स्वैडलिंग – इससे डीडीएच का खतरा बढ़ जाता है।

डीडीएच लड़कियों में बहुत अधिक आम है। डीडीएच के हर दस में से आठ मामले लड़कियों में देखे जाते हैं।

**प्रश्न–**'डीडीएच कितने बच्चों को प्रभावित कर सकता है।

**उत्तर–** जन्म लेने वाले प्रत्येक 1000 शिशुओं में से लगभग 1 या 2 बच्चे DDH से पीड़ित हैं।

**प्रश्न–** कहते हैं कि स्वाडलिंग डीडीएच का कारण बनता है। लेकिन स्वैडलिंग एकमात्र तरीका है जिससे मेरा बच्चा सो जाता है। मुझे क्या करना चाहिए?

**उत्तर–** स्वैडलिंग तब तक सुरक्षित है जब तक इसे सही तरीके से किया जाता है। 'हिप–सेफ स्वैडलिंग' एक तरीका है जहां आप अपने बच्चे को इस तरह बांधते हैं कि वह अपने पैरों को स्वतंत्र छोड़ सके और हिलने और फैलाने में सक्षम हो सके। जब तक आप पैरों को इस स्थिति में रहने की अनुमति देते हैं तो यह कूल्हों को नुकसान नहीं पहुंचाएगा।

**प्रश्न–**'डीडीएच' के लक्षण क्या हैं?

**उत्तर–** 'डीडीएच' दर्द रहित है। इसलिए यह बहुत बार शैशवावस्था में पता नहीं चलता जब तक कि किसी बच्चे की इसके लिए विशेष रूप से जांच नहीं की जाती है। एक असामान्यता का संदेह आमतौर पर केवल तब ही उठाया जाता है जब बच्चा चलना शुरू कर देता है। बच्चा लंगड़ा कर चलता है। उसका एक पैर दूसरे से छोटा प्रतीत होता है।

**प्रश्न–**अगर 'डीडीएच' दर्द रहित है, तो इसका इलाज करने की आवश्यकता क्यों है?

**उत्तर–** 'डीडीएच' बचपन के दौरान दर्द रहित होता है। हालांकि, अगर यह अनुपचारित रहता है, जैसे–जैसे कि बच्चा बड़ा होता है, तो असामान्य चलना शरीर के अन्य हिस्सों पर दबाव डालता है। आखिरकार, वे पीठ और घुटनों में दर्द का कारण हो सकता है।

इसके अलावा, डीडीएच के लिए उपचार पहले किया गया इलाज सरल है। बड़े बच्चों को अधिक जटिल सर्जरी की आवश्यकता होती है और इसके खराब परिणाम हो सकते हैं। अतः इसका इलाज जितना जल्दी किया जाए उतना अच्छा है।

**प्रश्न–**DDH का इलाज कैसे किया जाता है?

**उत्तर–** 'डीडीएच' का उपचार उस उम्र पर निर्भर करता है जिस पर इसका निदान किया जाता है।

**6 महीने तक:**

शिशुओं के उपचार में 'पावेलिक हार्नेस' का उपयोग किया जाता है। यह कपड़े से बना एक नरम ब्रेस है, जिसे वेल्क्रो पट्टियों के साथ सही स्थिति में बांधा जाता है। यह आपके बच्चे के पैरों को धीरे से स्थिति में रखने का काम करता है जिससे कूल्हे जोड़ सही जगह में वापस आ सकते हैं।

यदि पावलिक हार्नेस के साथ उपचार असफल है, तो आपके बच्चे को थोड़े बड़े बच्चों के रूप में इलाज करने की आवश्यकता हो सकती है (नीचे देखें)

**6 महीने से 18 महीने:**

इस स्तर पर देखे जाने वाले बच्चों को आमतौर पर हिप आथ्रोग्राम और क्लोज्ड रिडक्शन 'नामक चीजों द्वारा इलाज किया जाता है। यह ऑपरेशन थिएटर में बेहोशी के तहत किया जाता है। और एक बॉडी कास्ट जिसे (Hip Spica) हिप स्पाईका के रूप में जाना जाता है, लागू किया जाता है। यह कास्ट दो महीने तक रहेगी, बीच में एक बार बदली जाएगी।

क्लोज्ड रिडकशन का मतलब है कि वास्तव में इसे खोले बिना जोड़ को सही जगह बैठा दिया गया है। यह हमेशा संभव नहीं है, खासकर बड़े बच्चों में। जब क्लोज्ड रिडक्शन विफल हो या बच्चा बड़ा हो तो सर्जरी की आवश्यकता हो सकती है (नीचे देखें)।

**18 महीने से अधिक पुराना:**

18 महीने से अधिक उम्र के बच्चों में, आमतौर पर सर्जरी/आपरेशन आवश्यक है।

इस सर्जरी के बाद भी, आमतौर पर दो महीने के लिए एक हिप स्पिका कास्ट लगाया जाता है।

*** उपरोक्त जानकारी डीडीएच वाले बच्चे के उपचार के लिए दृष्टिकोण की केवल एक रूपरेखा है। वास्तविक उपचार कई कारकों पर निर्भर करता है और न केवल बच्चे की उम्र पर।**

**प्रश्न–**मेरे बच्चे का इलाज पूरा हो गया है क्या मुझे अभी भी जांच के लिए हड्डी रोग विशेषज्ञ के पास ले जाना होगा?

**उत्तर–** हां, यह महत्वपूर्ण है कि आप अपने सर्जन के साथ नियमित रूप से सम्पर्क में रहें। जैसे–जैसे आपका बच्चा बढ़ता है, कूल्हे के आसपास की हड्डियां बदलती हैं। बच्चे के बढ़ते ही कूल्हे की कुछ अस्थिरता फिर से हो सकती है। इसका जल्द ही पता लगाया जाना चाहिए ताकि इसका इलाज किया जा सके। आदर्श रूप से, आपको अपने बच्चे का विकास पूरा होने तक, कम से कम साल में एक बार, अपने डॉक्टर से संपर्क जारी रखना चाहिए।

- यह दस्तावेज माता–पिता और परिवारों की सामान्य/आम समझ के लिए है।
- यहां दी गई जानकारी उचित चिकित्सा मूल्यांकन और उपचार को विकल्प के रूप में प्रतिस्थापित नहीं करता है।
- किसी भी सलाह व उपचार के लिए कृपया सम्पर्क करें।

**बाल हड्डी रोग विभाग /पीडियाट्रिक आर्थोपैडिक**

**के0जी0एम0यू, लखनऊ।**